Personal Guidance

06

व्यक्तिगत जीवन को चार प्रमुख पक्षों में विभक्त किया जाता है - शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक। इन समस्त क्षेत्रों में उत्पन्न समस्याओं के समाधान में सहायता प्रदान करना ही व्यक्तिगत निर्देशन की कार्यविधि के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है। इस दृष्टि से व्यक्तिगत निर्देशन का क्षेत्र अपेक्षाकृत व्यापक होता है।

According to L.D. Crow :- "व्यक्तिगत निर्देशन का तात्पर्य व्यक्ति को दी गई उस सहायता से है। जो उसके जीवन के समस्त क्षेत्रों तथा अभिवृत्तियों के विकास को दृष्टि में रखकर उपयुक्त समायोजन के प्रति निर्दिष्ट होती है।"

व्यक्तिगत निर्देशन के आधारभूत प्रत्यय

1) व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान हेतु अन्तर्दृष्टि के विकास का विशेष महत्व होता है।

2) व्यक्ति से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान की दिशा में उसकी अपनी धारणा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

3) व्यक्ति का समग्र व्यक्तित्व अखण्ड एवं जटिल होता है।

4) व्यक्ति के जीवन से सम्बन्धित समस्त समस्याओं में आपसी सम्बन्ध होता है।

5) प्रत्येक व्यक्तिगत समस्या के साथ कोई न कोई संवेगात्मक पहलू होता है।

6) परिवार एवं समाज में संयुक्त रूप से प्रभावित रहता है।

Phone/Email/Notes

Notes

FEBRUARY

M		6	13 20	27
T		7	14 21	28
W	1	8	15 22	
T	2	9	16 23	
F	3	10	17 24	
S	4	11	18 25	
S	5	12	19 26	

Scanned with CamScanner

व्यवसायिक निर्देशन की आवश्यकता :-

मानवीय व्यक्तित्व की जटिलता तथा व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में होने वाले तीव्रगामी परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए व्यावसायिक निर्देशन की आवश्यकता और भी अधिक अनुभूति की जाने लगी है। इस प्रक्रिया की महत्ता केवल किसी व्यवसाय में प्रवेश करने की दृष्टि से ही नहीं वरन् व्यवसाय में प्रविष्ट होकर प्रतिक सन्तोष की दृष्टि से भी यह सहायक है।

i) वैयक्तिक भिन्नताओं की दृष्टि से।
ii) व्यावसायिक भिन्नता की दृष्टि से,
iii) समाज की परिवर्तित दशाएँ,
iv) मानवीय क्षमताओं का वांछित उपयोग करने हेतु
v) व्यावसायिक प्रगति हेतु
vi) स्वास्थ्य को ठीक रखने की दृष्टि से तथा
vii) पारिवारिक एवं व्यावसायिक जीवन में सामंजस्य स्थापित करने की दृष्टि से।

व्यावसायिक निर्देशन के उद्देश्य :

व्यवसाय - निर्देशन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं

i) विद्यालयों में व्यवसाय से सम्बन्धित सूचनाओं को विश्लेषण करने की योग्यता एवं क्षमता विकसित करना।
2) सत्यनिष्ठा से किया गया कार्य सदैव सर्वोत्तम होता है कि भावना का छात्रों में विकास करना।
3) व्यक्ति के व्यवसाय चयन के पश्चात उसकी अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करने में सहायता प्रदान करना।
4) छात्रों को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाओं से अवगत कराना।
5) गरीब विद्यार्थियों को अर्थ के अतिरिक्त अन्य प्रकार की सहायता प्रदान कर उनकी व्यवसाय से सम्बन्धित योजना को सफल बनाना।

Phone/Email/Notes
Notes
JANUARY
M 30 2 9 16 23
T 31 3 10 17 24
W 4 11 18 25
5 12 19 26
6 13 20 27
7 14 21 28
8 15 22 29
Scanned with CamScanner

व्यवसायिक निर्देशन का प्रत्यय

"व्यवसाय निर्देशन के व्यवसाय को चुनने उसके लिए तैयार करने, उसमें प्रवेश करने तथा उसमें विकास करने हेतु सूचना देने अनुभव देने तथा सुझाव देने की प्रक्रिया है। व्यावसायिक निर्देशन एक प्रक्रिया है, जो व्यवसाय चयन, उसके हेतु तैयार होने में उसमें प्रवेश करने में तथा उसमें क्षमता प्राप्त करने में सहायता देती है, इसका मुख्य उद्देश्य जीविका-निर्माण तथा निर्णय लेने में सहायता करने से है। यह निर्णय तथा इच्छाएं व्यावसायिक समायोजन का उद्देश्य संतोषजनक रूप से पूरा करती है।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन → व्यावसायिक निर्देशन, व्यक्तियों के गुणों एवं व्यवसाय के अवसरों के साथ उसके सम्बन्ध को ध्यान में रखते हुए, व्यक्ति को व्यवसाय के चयन एवं उसकी प्रगति में आने वाली समस्याओं के सुलझाने में प्रदान की जाने वाली सहायता को अभिहित करता है।

According to G.M. Myers → व्यवसाय निर्देशन मुख्य रूप से वह प्रक्रिया है जो युवावस्था की प्रकृति क्षमताओं तथा विद्यालयों के प्रशिक्षण को संकलित करती है। यह इन सबसे अधिक मूल्यवान मानवीय साधनों का संकलन, उसका उस स्थान पर उपयोग करने में सहायता करती है जहाँ पर वह अधिकतम कल्याण कर सके।

JANUARY
M 30 2 9 16 23
31 3 10 17 24
W 4 11 18 25
T 5 12 19 26
F 6 13 20 27

Scanned with CamScanner

व्यवसायिक निर्देशन का प्रत्यय 03

"व्यवसाय निर्देशन के व्यवसाय को चुनने उसके लिए तैयार करने, उसमें प्रवेश करने तथा उसमें विकास करने हेतु सूचना, देने अनुभव देने तथा सुझाव देने की प्रक्रिया है। व्यावसायिक निर्देशन एक प्रक्रिया है, जो व्यवसाय चयन, उसके हेतु तैयार होने में उसमें प्रवेश करने में तथा उसमें क्षमता प्राप्त करने में सहायता देती है, इसका मुख्य उद्देश्य जीविका-निर्माण तथा निर्णय लेने में सहायता करने से है। यह निर्णय तथा इच्छा व्यावसायिक समायोजन का उद्देश्य संतोषजनक रूप से पूरा करती है।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन → व्यावसायिक निर्देशन, व्यक्तियों के गुणों एवं व्यवसाय के अवसरों के साथ उनसे सम्बन्ध को ध्यान में रखते हुए, व्यक्ति को व्यवसाय के चयन एवं उसकी प्रगति में आने वाली समस्याओं के सुलझाने में प्रदान की जाने वाली सहायता को सम्बोधित करते हैं।

According to G.M. Myers → व्यवसाय निर्देशन मुख्य रूप से वह प्रक्रिया है जो युवावस्था की प्रकृति क्षमताओं तथा विद्यालयों की प्रशिक्षण को संकलित करती है, प्रदत्त सबसे अधिक मूल्यवान मानवीय साधनों का संकलन उसका उस स्थान पर उपयोग करने में सहायता करती है जहाँ पर वह अधिकतम कल्याण कर सके।

JANUARY					
M	30	2	9	16	23
T	31	3	10	17	24
W		4	11	18	25
T		5	12	19	26
F		6	13	20	27

Scanned with CamScanner

व्यक्तिगत निर्देशन के उद्देश्य

1) व्यक्ति में समायोजन की योग्यता का विकास करना।

2. पारस्परिक सम्बन्धों को बनाये रखने की सम्बन्धित कौशल के विकास मे सहायता प्रदान करना।

3. जीवन से सम्बन्धित विभिन्न परिस्थितियों मे विवेकपूर्ण एवं सुझबूझ व्यवहार का विकास करने मे सहयोग प्रदान करना।

4) व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित समस्याओं की जानकारी प्राप्त करने, उनके कारणों एवं प्रभावों की खोज करने तथा उनका समाधान खोजने मे सहायता देना।

5. परिवार एवं समाज में सम्बन्धित सहयोगी के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाये रखने की योग्यता का विकास करने मे सहायता देना।

6. परिवार, पड़ोस, विद्यालय एवं समुदाय के मध्य समायोजन की योग्यता का प्रदर्शन करते हुए जीवन व्यतीत करने में सहायता प्रदान करना।

19 Sunday

ne/Email/Notes

Scanned with CamScanner

... अभिक्षमताओं का मापन ... अनुरूप उन व्यावसायिक क्षमताओं ... करना है।

माध्यमिक शिक्षा आयोग रिपोर्ट (1953) के बहुउद्देश्य विद्यालयों की संस्तुति की थी। इनमें अनेक व्यावसायिक विषयों का सामान्य विषयों के साथ पढ़ाया जाता था।

कोठारी आयोग रिपोर्ट (1964-66) - ने कार्य अनुभव को बढ़ावा दिया और सामाजिक उत्पादकता की संस्तुति की। उच्च माध्यमिक शिक्षा स्तर पर व्यवसायीकरण का उद्देश्य छात्रों में रोजगार की क्षमताओं का विकास करना और विशिष्ट रोजगार के लिए तैयार करना। इन्हें स्व: रोजगार होज कुटीर उद्योग, कृषि उद्योग आदि पर भी बल दिया।

शिक्षा के व्यवसायीकरण की आवश्यकता एवं महत्व :-

i. शिक्षा का व्यवसायीकरण एक सशक्त यंत्र है, शिक्षा और कैरियर का साथ-साथ चलना है।

2. इसके द्वारा पाठ्यक्रमों एवं कैरियर शिक्षा को समन्वित किया जाता है, इसका महत्वपूर्ण प्रस्तुतीकरण है।

3. इसके द्वारा छात्रों की अभिप्रेरणा का विकास होता है। यह अध्ययन एवं रोजगार में सम्बन्ध का प्रत्यक्षीकरण करता है।

4. इसके द्वारा ऐसी शिक्षा दी जाती है कि छात्र अपने जीवन काल के रोजगार व्यवसाय का शिक्षा में समावेश कर लें।

FEBRUARY
6 13 20 27
7 14 21 28
1 8 15 22
2 9 16 23
3 10 17 24
4 11 18 25
5 12 19 26
Phone/Email/Notes
Notes
Scanned with CamScanner

व्यवसायिक निर्देशन की विशेषताएँ

04

1) व्यवसाय निर्देशन के माध्यम से व्यक्ति में सम्बन्ध को स्पष्ट बोध विकसित किया जा सकता है। इसके आधार पर व्यक्ति को यह ज्ञात हो जाता है, कि उसका वास्तविक स्वरूप क्या है।

2) व्यावसायिक निर्देशन के आधार पर कार्य के स्वरूप एवं कार्य से सम्बन्धित व्यक्तियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त होती है।

3. व्यावसायिक निर्देशन एक प्रक्रिया है। विभिन्न उद्देश्यों, साधनों, प्रतिभागियों आदि को समन्वित रूप से ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया को सम्पन्न किया जाता है।

4. व्यावसायिक निर्देशन की प्रक्रिया के आधार पर व्यक्ति की योग्यताओं, सफलताओं, रुचियों, प्रेरणाओं आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

5. व्यावसायिक निर्देशन के लिए आवश्यक जानकारी, दक्षता, योग्यता आदि के सम्बन्ध में सूचनाएँ एकत्र की जाती हैं।

Phone/Email/Notes

FEBRUARY

Notes

	6	13	20	27
	7	14	21	28
1	8	15	22	
2	9	16	23	
3	10	17	24	
4	11	18	25	
5	12	19	26	

Scanned with CamScanner